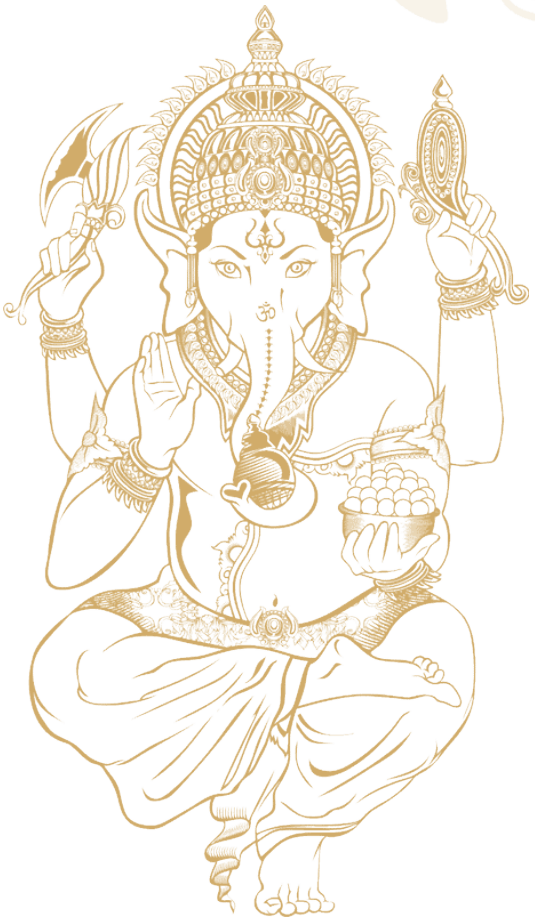

Mr. Satish

Ms. vandna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119678902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/06/1994	जन्म तिथि	24/09/1996
सोम-मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 03:30:00	जन्म समय	22:50:00 घंटे
घटी 55:11:29	जन्म समय(घटी)	41:38:25 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:24	सूर्योदय	06:10:37
19:22:46	सूर्यास्त	18:15:07
23:47:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 14वर्ष 9मा 10दि	13:28:01	वृष	लग्न	मिथु	01:17:58	मंगल 0वर्ष 8मा 11दि
शनि	12:13:26	मिथु	सूर्य	कन्या	08:07:07	गुरु
08/04/2025	09:03:09	कुंभ	चंद्र	कुंभ	05:20:17	07/06/2015
08/04/2044	01:55:02	वृष	मंगल	कर्क	15:23:47	07/06/2031
शनि 11/04/2028	08:24:46	मिथु व	बुध व	सिंह	25:31:09	गुरु 25/07/2017
बुध 20/12/2030	11:00:40	तुला व	गुरु	धनु	14:42:33	शनि 05/02/2020
केतु 29/01/2032	20:55:03	कर्क	शुक्र	कर्क	25:25:33	बुध 13/05/2022
शुक्र 30/03/2035	18:36:02	कुंभ व	शनि व	मीन	10:18:58	केतु 19/04/2023
सूर्य 11/03/2036	29:07:50	तुला व	राहु व	कन्या	14:11:45	शुक्र 18/12/2025
चन्द्र 10/10/2037	29:07:50	मेष व	केतु व	मीन	14:11:45	सूर्य 06/10/2026
मंगल 19/11/2038	01:19:58	मक व	हर्ष व	मक	06:55:36	चन्द्र 05/02/2028
राहु 25/09/2041	28:37:26	धनु व	नेप व	मक	01:12:13	मंगल 11/01/2029
गुरु 08/04/2044	01:53:19	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	07:04:59	राहु 07/06/2031

लग्न-चलित

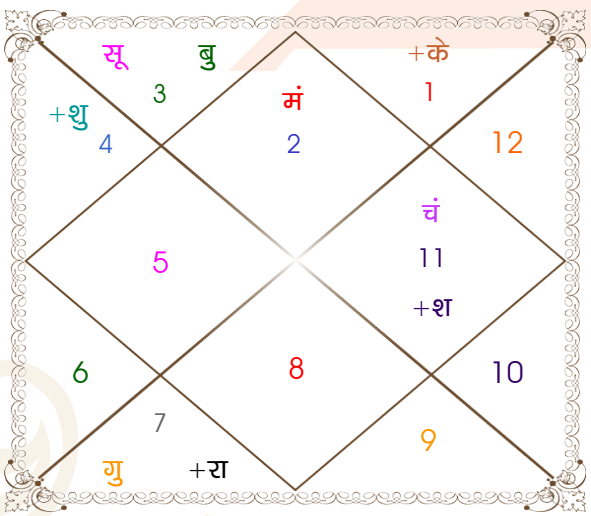

लग्न-चलित

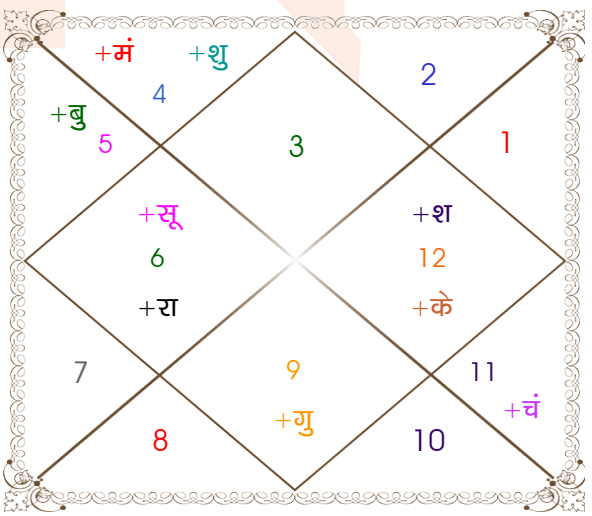

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

डतणँजपी का वर्ग मार्जार है तथा डेण अंदकदं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणँजपी और डेण अंदकदं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणँजपी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डेण अंदकदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणँजपी तथा डेण अंदकदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।